जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 141 प्रभात चूरू, बुधवार 17 सितम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

इंगलैण्ड ने अपना पूरा पिटारा खोल दिया है, राष्ट्रपति ट्रंप को प्रभावित व अभिभूत करने के लिए

ट्रंप, ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स के निमंत्रण पर इंगलैण्ड आये हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- उन्हें निमंत्रण पत्र देने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री वाइट हाउस के ''ओवल ऑफिस'' खुद गये व प्रैस के सामने चार्ल्स का पत्र उन्होंने ट्रंप को दिया।
- ट्रंप पहली रात, 900 साल पुराने विंडसर कासल में, चार्ल्स के अतिथि के बतौर बितायेंगे।
- वे विंडसर कासल के ग्राउण्ड्स पर उतरेंगे तथा रॉयल बग्घी में सवार होकर कासल के गेट तक जायेंगे।
- सलामी में तोपें दागी जायेंगी तथा बग्घी के आगे ब्रिटेन के हॉर्स गॉर्ड के घुड़सवार चलेंगे तथा पूरे रास्ते, रॉयल बैण्ड, स्कॉटलैण्ड की धुन बजाएगा, क्योंकि ट्रंप का मूल उदय स्कॉटलैण्ड से है।
- विंडसर पैलेस में ब्रिटिश राज्य की पुरानी व अद्भूत कलाकृतियाँ व अन्य खजाने उन्हें दिखाये जायेंगे, जो अधिकतर भारत से चुराकर ले जाये गये हैं।
- इंगलैण्ड में ट्रंप के प्रवास के दौरान, ब्रिटेन आशा कर रहा है कि ट्रंप अच्छे मूड में रहें और कुछ व्यापारिक व वित्तीय समझौते कर लें। ब्रिटेन, अमेरिका से विशेष रिश्तों की दुहाई लगातार देता है।
- पर, इस पूरे प्रयास के बावजूद कुछ बदमज़गी हो सकती है। क्योंकि, हाल ही में ब्रिटेन के राजदूत को बर्खास्त किया गया है, कुछ दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में।

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। ब्रिटेन अपनी पूरी ताक़त लगाकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने और लुभाने की कोशिश कर रहा है, जो किंग चार्ल्स के निमंत्रण पर राज्य अतिथि के रूप में ब्रिटेन पहुँचे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति को 900 साल पुराने शाही निवास विंडसर कासल में ठहराया जा रहा है।

शुरुआत से ही ब्रिटिश सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति को प्रभावित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही थी। निमंत्रण पत्र प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने वाइट हाउस में पत्रकारों की मौजूदगी में ट्रंप को दिया और कहा कि यह ब्रिटेन के राजा का पत्र है।

राजा का निमंत्रण सौंपने से लेकर ट्रंप के स्वागत के लिए आयोजित होने वाले रिसैप्शन तक, ब्रिटेन ने ट्रंप को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, ताकि व्यापार समझौतों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच उस ''विशेष रिश्ते'' को और मज़बूत किया जा सके, जिस पर इंग्लैंड और अमेरिका हमेशा जोर देते रहे हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के समय प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने इसी रिश्ते का इस्तेमाल करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूज़वेल्ट को सहयोगी देशों का हिस्सा बनने और युद्ध में उतरने के लिए राज़ी करने की कोशिश की थी। हालांकि रूज़वेल्ट बहुत उत्साही नहीं थे और चर्चिल की हर मांग पर सहमत भी नहीं होते थे।

अब, जबकि यूरोप की स्थिति गंभीर होती जा रही है और पश्चिमी यूरोप रूसी सैन्य दबाव महसूस कर रहा है, ब्रिटेन ट्रंप को और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए राज़ी करने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा, ब्रिटेन अब वह आर्थिक ताक़त नहीं रहा, जो पहले था और अब अपनी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए अमेरिका से गहरे रिश्ते बनाना चाहता है।

तथापि, असली बातचीत बाद में होगी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के कंट्री हाउस ''द चैकर्स'' में जाएँगे। वहाँ व्यापार प्रोटोकॉल और तकनीकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा

जयपुर, 16सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जल जीवन मिशन से जुड़े करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़े मामले में ईडी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की खंडपीठ ने ये आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिका में अदालत को बताया गया कि प्रकरण में उसे फंसाया

- सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए चार सप्ताह में जवाब मांगा।

गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले उसे गत अप्रैल माह में गिरफ्तार कर लिया गया। याचिका के अनुसार मामले में आरोप पत्र पेश हो चुका है। इसके बावजूद भी हाईकोर्ट ने उसकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ईडी सहित अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने गत 26 अगस्त को महेश जोशी की जमानत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो भी भारत से घृणा करते हैं, उन्हें राहुल गांधी में मित्र नज़र आता है'

भाजपा ने पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी द्वारा राहुल गांधी की बढ़ाई पर बहुत तीखी टिप्पणी की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पाकिस्तान की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी क्रिकेट से रिटायर हो गए हैं, लेकिन, विवादास्पद टिप्पणियाँ करने से रिटायर नहीं हो पा रहे हैं।
- राहुल गांधी की प्रशंसा करते-करते वे नरेन्द्र मोदी को कोसने पर उतर आये और कहा, ''क्या एक इज़रायल पर्याप्त नहीं था, जो आप दूसरा इज़रायल बनने की कोशिश कर रहे हैं।''

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी द्वारा की गई राहुल गांधी की तारीफ़ ने सत्तारूढ़ भाजपा को बुरी तरह नाराज़ कर दिया और उसे विपक्ष के नेता पर हमला करने का एक नया मौका मिल गया।

पाकिस्तानी टीवी चैनल पर भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच, जिसमें रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था और बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, पर हुई एक चर्चा के दौरान अफरीदी ने कहा कि भाजपा की ''बहुत खराब मानसिकता है,'' जबकि ''राहुल गांधी की मानसिकता बहुत पॉजिटिव है।''

अफरीदी ने कहा, गांधी ''बातचीत के ज़रिए सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। क्या एक इज़रायल काफ़ी नहीं कि आप दूसरा बनने की कोशिश कर रहे हैं?''

भाजपा, जिस पर पहले से ही भारत-पाकिस्तान को एशिया कप में खेलने की अनुमति देने को लेकर विपक्ष के हमले हो रहे हैं, ने तुरंत ही अफरीदी के वायरल होते बयान का जवाब दिया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने तुरंत राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी को ''एक नया फैन मिल गया है, बदनाम पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी!''

भंडारी ने एक्स पर पोस्ट किया, ''जब भारत के दुश्मन तारीफ़ करें, तब समझ लो कांग्रेस भारत-विरोधी और पाकिस्तान-समर्थक पार्टी है।''

शाहिद अफरीदी भले ही क्रिकेट से संन्यास ले चुके हों, लेकिन विवादित बयान देने से उन्होंने कभी संन्यास नहीं लिया।

पाकिस्तान के समा टीवी पर हाल ही में अफरीदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ़ करते हुए उन्हें ''पॉज़िटिव माइंडसैट'' और बातचीत करने वाला नेता बताया, जबकि, इसी दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन, भाजपा ने इस मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। उसके राष्ट्रीय प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने कहा, ''हर वो व्यक्ति जो भारत से नफ़रत करता है, उसे राहुल गांधी में एक साथी मिलता है,'' जबकि आईटी सैल प्रमुख अमित मालवीय ने अफरीदी को ''कट्टर हिंदू-विरोधी'' कहा।

हालांकि, अफरीदी के लिए यह सब नया नहीं है, सुर्खियाँ, हैशटैग, नाराज़गी और फिर वही सिलसिला।

ये वही अफरीदी हैं, जिन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के प्र.मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप से मिलेंगे 25 सितंबर को

यह मुलाकात, संभवतया यू.एन. की जनरल एसेम्बली के सैशन के दौरान होगी, जिसमें सेनाध्यक्ष मुनीर भी शामिल होंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- मुलाकात में पाकिस्तान और अमेरिका अन्य विषयों के अलावा, भारत-पाक के राजनयिक व कुटनीतिक संबंधों पर भी चर्चा करेंगे।
- काफी समय से अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में कुछ ठंड पड़ गई थी। पर, अब, ट्रंप की दूसरी पारी में संबंधों में नज़दीकी व ''वॉर्म्थ'' (गर्मजोशी) लौटी है।

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़, पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ अगले हफ़्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाक़ात करेंगे। सूत्रों ने पाकिस्तान के चैनल ''खैबर न्यूज़'' के हवाले से बताया कि दोनों पाकिस्तानी नेताओं की यह बैठक 25 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, बैठक के एजेंडा में पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ से लेकर क़तर पर इज़रायल के हमले के असर जैसे मुद्दे शामिल होंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि नई दिल्ली-इस्लामाबाद के बीच बढ़ते तनाव जैसे कई मुद्दों पर भी बात हो सकती है।

हालाँकि अभी तक इंटर-सर्विसेज़ पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) या वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तान दूतावास की ओर से इस दौरे के बारे में आधिकारिक रुप से कुछ भी नहीं कहा गया है। लेकिन यह खबर आसिम मुनीर की लगातार दो वॉशिंगटन यात्राओं के बाद आई है।

कई वर्षों की कूटनीतिक दूरी के बाद, अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में उस समय गर्माहट आई, जब जून में ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर का वाइट हाउस में स्वागत किया और उनके साथ व्यापार, आर्थिक विकास तथा क्रिप्टोकरेंसी पर चर्चा की। इसके कुछ ही दिन बाद, जुलाई में ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के साथ व्यापार समझौते की घोषणा की और कहा कि वॉशिंगटन, इस्लामाबाद को उसके ''विशाल तेल भंडार'' विकसित करने में मदद करेगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच मई में हुए सैन्य टकराव के दौरान, इस्लामाबाद ने ट्रंप को कथित शांति मध्यस्थता का श्रेय दिया, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में और नरमी आई। ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों परमाणु संपन्न एशियाई पड़ोसियों के बीच युद्धविराम कराने में भूमिका निभाई, जिसमें उन्होंने दोनों देशों पर व्यापार और टैरिफ़ को लेकर दबाव बनाया। ज्ञातव्य है कि भारत ने इस दावे को सख़्ती से नकार दिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हनुमान बेनीवाल का सरकारी आवास खाली कराने पर रोक

जयपुर, 16 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को संपदा अधिकारी न्यायालय की ओर से विधायक कोटे में आवंटित किए गए आवास को खाली कराने के लिए दिए नोटिस की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में राज्य सरकार और संपदा अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, सम्पदा अधिकारी, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी किया।

मजिस्ट्रेट व मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने राज्य सरकार को अपने जवाब के साथ ही समान प्रकृति से जुड़े अन्य प्रकरणों की जानकारी भी पेश करने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश हनुमान बेनीवाल की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुमित्रा चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता वर्तमान में सांसद है और देश का जाना माना राजनेता है। उसे जयपुर में आवास आवंटित किया गया था।

भारतीय वायुसेना की सफलता को स्वीकार किया जैश-ए-मोहम्मद ने

जैश-ए-मोहमद के कमाण्डर मसूद इलयास कश्मीरी ने स्वीकार किया और मसूद अज़हर के वक्तव्य को जारी कर इसकी पुष्टि की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- दूसरी ओर पाकिस्तानी राजनीतिज्ञ बिलावल भुट्टो ज़रदारी, अभी भी अधिकृत रूप से कह रहे हैं कि इस्लामाबाद अभी इस बात से अनभिज्ञ है कि मसूद अज़हर पाकिस्तान में हैं, और पाकिस्तान जरूर गिरफ्तार कर लेगा, अगर भारत इसकी पुख्ता जानकारी दे।
- मसूद इलियास कश्मीरी के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद ने आतंकवाद को गले लगाया तथा दिल्ली, काबुल व कंधार में बहादुरी से लड़े, पाकिस्तान की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए सभी तरह के बलिदान दिये। पर, 7 मई को भारतीय सेना ने बहावलपुर पर आक्रमण कर मसूद अज़हर के परिवार के दस सदस्यों को खत्म कर दिया।

नई दिल्ली, 16, सितंबर। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी को यह कहते हुए सुना गया कि भारतीय सेना ने किस तरह उनके गुप्त ठिकानों में घुसकर हमला किया।

भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में ''ऑपरेशन सिंदूर'' के अन्तर्गत कई आतंकी ठिकाने तबाह किए जाने के महीनों बाद, जैश के इस कमांडर ने स्वीकार किया है कि बहावलपुर में हुये भारतीय हमले में संगठन के शीर्ष सरगना मौलाना मसूद अज़हर का परिवार ''चिथड़े-चिथड़े हो गया।''

इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में मसूद इलियास कश्मीरी यह बताते नज़र आते हैं कि भारतीय सेना उनके ठिकानों तक कैसे पहुँची और उन पर हमला किया।

मसूद इलियास कश्मीरी ने उर्दू में कहा, ''आतंकवाद को अपनाकर हमने दिल्ली, काबुल और कंधार से इस मुल्क की सरहदें बचाने के लिए लड़ाई लड़ी। सब कुछ कुर्बान करने के बाद, 7 मई को बहावलपुर में मौलाना मसूद अज़हर का परिवार भारतीय फौजों द्वारा तार-तार कर दिया गया।'' वीडियो में कश्मीरी के पीछे कई हथियारबंद सुरक्षाकर्मी खड़े दिखाई दे रहे थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 नागरिकों के मारे जाने के कुछ हफ़्तों बाद, भारतीय सेना ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' के अन्तर्गत, पाकिस्तान और पीओके में एक साथ रातभर अभियान चलाकर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सुदूर ठिकानों पर हमला किया। पाकिस्तान ने बाद में स्वीकार किया कि नौ ठिकानों पर हमले हुए, जिनमें बहावलपुर, कोटली और मुरिदके के स्थान शामिल थे, ये सभी कट्टरपंथी गतिविधियों के गढ़ माने जाते हैं।

पाकिस्तान का 12वाँ सबसे बड़ा शहर बहावलपुर इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि यह जैश का मुख्य केन्द्र है। लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित इस शहर की जामिया मस्जिद सुब्हान अल्लाह (उस्मान-ओ-अली कैंपस) में जैश का मुख्यालय संचालित होता है।

जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना 2000 के शुरुआती वर्षों में तब हुई थी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सलुम्बर में दूषित दाल खाने से 39 छात्र बीमार

उदयपुर, 16 सितम्बर (कासं)। सलूम्बर जिले के कूण गांव में स्थित सरकारी विद्यालय में दाल, चावल खाने से 39 छात्र बीमार हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सरकारी चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार सवेरे सलूम्बर जिले के कूण

- सभी बीमार छात्रों को सीएचसी लसाड़िया में भर्ती कराया गया। अब उनकी हालत ठीक बताई जा रही है।

गांव में स्थित राजकीय उच्च प्रा. विद्यालय डाईखेड़ा कूण विद्यालय में छात्रों के लिए दाल- चावल का वितरण किया गया, जिसको खाने के कुछ समय बाद स्कूल के छात्रों की तबीयत खराब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डेढ़ साल की चुप्पी के बाद, ग्वालियर पर आधिपत्य दिखाने लौटे

जनता, राजनीतिज्ञों व नेताओं ने पलक-पावणे बिछा दिये, उनके स्वागत में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, यह सब कुछ, राजनीतिक संग्राम की तैयारी लग रही है। क्योंकि, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ग्वालियर को अब अपना क्षेत्र मानने लगे थे।
- ऐसा कहा जा रहा है कि सिंधिया के ग्वालियर पर काबिज होने के इस प्रयास को भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का समर्थन प्राप्त है।

नई दिल्ली, 16, सितंबर। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कलेक्ट्रेट शो विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के क्षेत्र मुरैना में हुए एक भव्य स्वागत समारोह के कुछ ही दिनों बाद हुआ। इसके बाद दोनों के बीच प्रतिद्वन्द्विता खुलकर सामने आ गई है।

ग्वालियर कलैक्ट्रेट में सोमवार को विकास कार्यों की एक नीरस समीक्षा होनी थी, लेकिन यह एक गर्मागरम राजनीतिक नाटक में बदल गई। इस शो के स्टार केन्द्रीय मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया, जो डेढ़ साल की खामोशी के बाद यहाँ आए, ने ग्वालियर शहर की राजनीतिक में उबाल ला दिया।

कागज़ों पर बैठक की अध्यक्षता प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट कर रहे थे, लेकिन सबको यह नज़र आ गया कि सुर्खियाँ किसने बटोरीं। मंच पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, कांग्रेस राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, महापौर शोभा सिकरवार और कांग्रेस विधायक सुरेश राजे मौजूद थे। मगर ग्वालियर के भाजपा सांसद भरत सिंह कुशवाह की खाली कुर्सी ने सबका ध्यान खींच लिया।

सिंधिया की वापसी कोई आकस्मिक बात नहीं थी। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री और भाजपा हाईकमान ने उन्हें साफ़ संदेश दिया है कि वे ग्वालियर-चंबल इलाके में फिर से पकड़ मजबूत करें, जो कभी उनका अजेय गढ़ माना जाता था। इससे पहले वो तब पीछे हटे थे, जब भरत सिंह कुशवाह ने खुलेआम उनकी उपस्थिति पर आपत्ति जताते हुए कहा था, ''वे गुना-शिवपुरी के सांसद हैं, ग्वालियर के नहीं।'' उस झटके ने सिंधिया को पीछे कर दिया था। लेकिन अब वे लौट आए हैं।

पिछले कई हफ़्तों से ग्वालियर की टूटी सड़कों और गंदगी भरे नालों की खबरें सुर्खियों में रही हैं। सबसे तीखी आवाज़ सिंधिया के करीबी, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की रही, जिन्होंने कैबिनेट बैठक में कहा, ''ग्वालियर नरक बन गया है।'' मुख्यमंत्री ने उन्हें चुप कराने की कोशिश की, तो उन्होंने दोबारा वही बात दोहराई। प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ने भी उनका समर्थन किया।

सिंधिया का यह कलेक्ट्रेट शो, मुरैना, जो विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर का गढ़ है, में हुए भव्य स्वागत के कुछ ही दिन बाद हुआ। इसके बाद दोनों नेताओं की टक्कर अब खुलकर सामने आ गई है। नरेन्द्र तोमर का स्थानीय राजनीति पर नियंत्रण है, मगर कृषि मंत्री एडाल सिंह कसाना अब उनके साथ पूरी तरह नहीं दिख रहे। वहीं, उनके करीबी भरत सिंह कुशवाह भोपाल में शांत बैठे नज़र आ रहे हैं और मुख्यमंत्री की निगाहें उन पर हैं।

सोमवार की बैठक का संदेश स्पष्ट था, ग्वालियर में भाजपा अब दो खेमों में बँट गई है। तीन दिन पहले ही सांसद भरत सिंह कुशवाह ने विकास कार्यों की समीक्षा की थी। सोमवार को सिंधिया अपने समर्थकों के साथ कलैक्ट्रेट पहुँचे और उन्हीं कामों की समीक्षा की, लेकिन इस दौरान सांसद कुशवाह उपस्थित नहीं थे। यह सिंधिया की पहली कलेक्ट्रेट बैठक थी बतौर भाजपा सांसद, और उन्होंने इसे स्वीकार किया। उनके समर्थक खुश होकर फुसफुसा रहे थे कि ''महाराज युग'' लौट रहा है, जब कांग्रेस के दिनों में ग्वालियर में बिना उनकी हामी के कुछ नहीं होता था।

नरेन्द्र तोमर सार्वजनिक मंचों पर सिंधिया के ढोल पीटते रहे हैं। मुरार गर्ल्स कॉलेज में उन्होंने कहा, ''महाराज, ग्वालियर का विकास पहिया रुक गया है, केवल आप ही इसे आगे बढ़ा सकते हैं।'' इसके तुरंत बाद सिंधिया समर्थक विधायक मोहन सिंह राठौर ने सरकार की जल जीवन मिशन योजना को आड़े हाथों लिया और कहा कि उनके क्षेत्र में एक भी परियोजना नहीं पहुँची। तोमर ने ग्वालियर को ''नरक'' कहा। सिंधिया ने चार दिन का दौरा किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजेश्वर सिंह राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त

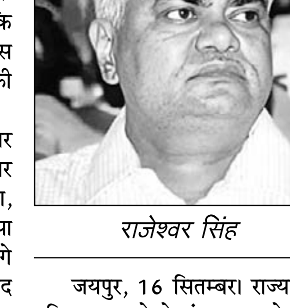

राजेश्वर सिंह

जयपुर, 16 सितम्बर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी राजेश्वर सिंह को राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्ति प्रदान की है। गौरतलब है कि वर्ष 1989 बैच के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)